Dr. Seema Kumari, Asst. Prof. (Pol. Sc.), RMC, VKSU
BA I (Subs), Date - 26.06.2021

नकारात्मक और सकारात्मक के विशेष संदर्भ में स्वतंत्रता की उदारवादी और मार्क्सवादी विचारधारा

स्वतंत्रता (Liberty) - लैटिन शब्द 'Liber' से बना हुआ शब्द लिबर्टी है जिसका अर्थ होता है मुक्त और स्वतंत्र।

स्वतंत्रता मनुष्य की एक दशा (condition) है। राजनीतिक सिद्धांत का मुख्य सरोकार मुर 'स्वतंत्रता की दशा' से है। स्वतंत्रता के गुण का संकेत अंग्रेजी में फ्रीडम शब्द के प्रयोग से होता है, लिबर्टी का भी प्रयोग से। स्वतंत्रता मतलब प्रतिबंधों का अभाव। मनुष्य एक विवेकशील प्राणी है। अगर उसे स्वतंत्रता प्राप्त नहीं होगी तो वह अपनी क्षमताओं का सदुपयोग नहीं कर पाएगा।

जे० आर० ल्युकस ने 'The Principles of Politics' (1976) के अंतर्गत लिखा है 'स्वतंत्रता का तात्विक अर्थ यह है कि विवेकशील कर्ता को जो कुछ सर्वोत्तम प्रतीत हो वही कुछ करने में वह समर्थ हो और उसके कार्यकलाप बाहर के किसी प्रतिबंध से न बंधे हों।'

स्वतंत्रता के दो पक्ष हैं:-

1. नकारात्मक स्वतंत्रता
2. सकारात्मक स्वतंत्रता

1. जब हम स्वतंत्रता की परिभाषा केवल 'प्रतिबंध के अभाव' के रूप में देते हैं तब हमारा ध्यान केंद्रित होता है। मतलब उसके नकारात्मक पक्ष पर

यदि कोई व्यक्ति कुछ करना चाहता हो और कर भी सकता हो, तो उसे वैसा करने से रोका न जाए। इस तरह की स्वतंत्रता को अनौपचारिक या नकारात्मक स्वतंत्रता कहते हैं। व्यक्ति की नकारात्मक स्वतंत्रता प्रदान करते समय राज्य केवल अपने ऊपर संयम रखता है, सामाजिक व्यवस्था से कोई छेड़छाड़ नहीं करता। इस तरह की स्वतंत्रता सर्वसाधारण के लिए उपयुक्त नहीं है। समाज में विषमता को बढ़ावा देता है खासकर आर्थिक सामाजिक असमानता को।

2. सकारात्मक या तात्विक स्वतंत्रता - कमजोर, निर्बल वर्गों की सामाजिक और आर्थिक ~~विष~~ असमर्थताओं को दूर करने के लिए प्रयत्न किए जाए ताकि सबको अपने सुख के साधन जुटाने का उपयुक्त अवसर मिल सके। इसके लिए सामाजिक आर्थिक जीवन में विस्तृत विनियमन की आवश्यकता हो सकती है। ये सारे विनियमन और प्रतिबंध समाज के शक्तिशाली या प्रभुत्वशाली वर्गों की स्वतंत्रता में कटौती कर सकती है ये स्वतंत्रता के सिद्धांत को सार्थक रूप देने के लिए अनिवार्य हैं

राजनीतिक, नागरिक या कानूनी स्वतंत्रता अपने-अपने सीमित अर्थ में नकारात्मक स्वतंत्रता होती है। सामाजिक आर्थिक स्वतंत्रता सकारात्मक स्वतंत्रता की मांग करती है। राजनीति विज्ञान के अंतर्गत स्वतंत्रता की जिस रूप की कल्पना की जाती है उस रूप में स्वतंत्रता ~~नियमों~~ मानवीय प्रकृति और सामाजिक जीवन के उन के विरोधी तत्वों (बंधनों का अभाव और नियमों का पालन) में सामंजस्य का नाम है।

Scanned with CamScanner